Ozone Day 2023 Celebration

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 18-09-2023**

हकेवि में मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल और ओजोन से संबंधित अंतरराष्ट्रीय समझौतों के बारे में बताया

महेंद्रगढ़ | हकेवि, महेंद्रगढ़ के पर्यावरण अध्ययन विभाग ने विश्व ओजोन दिवस-2023 के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया। इस वर्ष विश्व ओजोन दिवस पर मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल-ओजोन परत को ठीक करना और जलवायु परिवर्तन से होने वाले नुकसान को कम करना निर्धारित किया गया था। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने पर्यावरण संरक्षण में व्यक्तिगत योगदान के महत्व पर जोर दिया और दैनिक जीवन में ओजोन-क्षयकारी पदार्थों की कमी करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य के जी-20 मंत्र का उल्लेख किया। विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रोफेसर सुषमा यादव ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए पर्यावरण-अनुकूल प्रौद्योगिकी अपनाने पर जोर दिया। स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज (एसआईएएस) की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए हमारे जीवन में ओजोन की भूमिका से प्रतिभागियों को अवगत कराया। पर्यावरण अध्ययन विभाग की अध्यक्ष डॉ. मोना शर्मा ने आयोजन की रुपरेखा प्रस्तुत की। प्रो. कौशिक ने मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल और ओजोन से संबंधित अन्य अंतरराष्ट्रीय समझौतों के महत्व पर विस्तार से बताया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 18-09-2023**

'पर्यावरण संरक्षण में हर व्यक्ति को योगदान देना जरूरी'

ओजोन क्षयकारी पदार्थों की कमी करने के लिए प्रोत्साहित किया

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के पर्यावरण अध्ययन विभाग ने विश्व ओजोन दिवस 2023 के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया। इस वर्ष विश्व ओजोन दिवस मान्ट्रियल प्रोटोकाल ओजोन परत को ठीक करना और जलवायु परिवर्तन से होने वाले नुकसान को कम करना निर्धारित किया गया था। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने पर्यावरण संरक्षण में व्यक्तिगत योगदान के महत्व पर जोर दिया और दैनिक जीवन में ओजोन-क्षयकारी पदार्थों की कमी करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य के जी-20 मंत्र का उल्लेख किया। विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रोफेसर सुषमा यादव ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए पर्यावरण-अनुकूल प्रौद्योगिकी अपनाने पर जोर दिया।

विवि के स्कूल आफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज (एसआईएएस) की अधिष्ठाता प्रोफेसर नीलम सांगवान ने हए कार्यक्रम का उद्घाटन करते हमारे जीवन में ओजोन की भूमिका से प्रतिभागियों को अवगत कराया और ओजोन परत की कमी को कम करने के लिए जागरूकता बढ़ाने और सामूहिक प्रयास करने की आवश्यकता पर जोर दिया। पर्यावरण अध्ययन विभाग की अध्यक्ष डा.मोना शर्मा ने आयोजन की रुपरेखा प्रस्तुत की।

हकेंवि में ओजोन दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में शिक्षकों के साथ कुलपति • सौ. हकेंवि

डा. मोना ने कार्यक्रम की मुख्य वक्ता प्रोफेसर अनुभा कौशिक, हेड सेंटर फॉर सस्टेनेबिलिटी एंड क्लाइमेट चेंज, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी (जीजीएस आईपीयू), नई दिल्ली का परिचय प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रोफेसर कौशिक ने ओजोन निर्माण और क्षरण की प्राकृतिक गतिशीलता पर चर्चा की।

इस मौके पर कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने ग्राम पाठशाला की इस पहल के लिए डा. दुष्यन्त कुमार को नोडल अधिकारी घोषित किया। कार्यक्रम में विभाग के विद्यार्थियों द्वारा एक नाटक 'टुडेज़ प्लेनेट' का भी मंचन किया गया। आयोजन में डा. दिनेश कुमार, डा. विक्रम सिंह, डा. अनूप यादव, डा. भूपिंदर पी. सिंह और डा. दुष्यन्त कुमार सहित संकाय सदस्यों के साथ विद्यार्थी व शोधार्थी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की समन्वयक डा. अनीता सिंह ने अपने धन्यवाद ज्ञापन में कार्यक्रम में उनके बहुमूल्य योगदान के लिए सभी उपस्थित लोगों का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Tribune **Date: 18-09-2023**

हकेंवि में मनाया ओजोन दिवस

महेंद्रगढ़ स्थित हकेंवि में ओजोन दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभागी कुलपति व शिक्षकों के साथ। -निस

महेंद्रगढ़ (हप्र) : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के पर्यावरण अध्ययन विभाग ने विश्व ओजोन दिवस 2023 के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया। इस वर्ष विश्व ओजोन दिवस मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल: ओजोन परत को ठीक करना और जलवायु परिवर्तन से होने वाले नुकसान को कम करना निर्धारित किया गया था। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने पर्यावरण संरक्षण में व्यक्तिगत योगदान के महत्व पर जोर दिया और दैनिक जीवन में ओजोन-क्षयकारी पदार्थों की कमी करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य के जी20 मंत्र का उल्लेख किया। विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रोफेसर सुषमा यादव ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए पर्यावरण-अनुकूल प्रौद्योगिकी अपनाने पर जोर दिया।

दैनिक ट्रिब्यून Mon, 18 September 2023
https://epaper.dainiktribune

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 18-09-2023**

हकेंवि में ओजोन दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित

सभी ओजोन व क्षयकारी पदार्थों में कमी करें

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पर्यावरण अध्ययन विभाग ने विश्व ओजोन दिवस-2023 के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया। इस वर्ष विश्व ओजोन दिवस मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉलः ओजोन परत को ठीक करना और जलवायु परिवर्तन से होने वाले नुकसान को कम करना निर्धारित किया गया था। विश्वविद्यालय कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने पर्यावरण संरक्षण में व्यक्तिगत योगदान के महत्व पर जोर दिया और दैनिक जीवन में ओजोन-क्षयकारी पदार्थों की कमी करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य के जी20 मंत्र का उल्लेख किया। विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रोफेसर सुषमा यादव ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए पर्यावरण-अनुकूल प्रौद्योगिकी अपनाने पर जोर दिया। विवि के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज (एसआईएएस) की अधिष्ठाता प्रोफेसर नीलम सांगवान ने कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए हमारे जीवन में ओजोन की भूमिका से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में प्रतिभागी कुलपति व शिक्षकों के साथ। फोटो : हरिभूमि

'टुडेज प्लैनेट' नाटक का मंचन

डॉ. मोना ने कार्यक्रम की मुख्य वक्ता प्रोफेसर अनुभा कौशिक, हेड सेंटर फॉर सस्टेनेबिलिटी एंड क्लाइमेट चेंज, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी (जीजीएस आईपीयू), नई दिल्ली का परिचय प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रोफेसर कौशिक ने ओजोन निर्माण और क्षरण की प्राकृतिक गतिशीलता पर चर्चा की। उन्होंने ओजोन क्षरण को तेज करने वाली मानवीय गतिविधियों पर भी चर्चा की जो ओजोन क्षरण को तेज करते हैं। प्रोफेसर कौशिक ने मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल और ओजोन से संबंधित अन्य अंतरराष्ट्रीय समझौतों के महत्व पर विस्तार से बताया। कार्यक्रम के दौरान 'ग्राम पाठशाला' संस्था के सदस्य अजयपाल नागर ने 15 अगस्त 2027 तक देशभर के सभी गांवों में 663,469 पुस्तकालय स्थापित करने के संगठन के मिशन की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि ग्राम पाठशाला और हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के बीच सहयोग के माध्यम से आसपास के गांवों में पुस्तकालय स्थापित करने की संभावनाओं पर चर्चा की जा रही है। इस मौके पर कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने ग्राम पाठशाला की इस पहल के लिए डॉ. दुष्यंत कुमार को नोडल अधिकारी घोषित किया। कार्यक्रम में विभाग के विद्यार्थियों द्वारा एक नाटक 'टुडेज प्लैनेट' का भी मंचन किया गया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 18-09-2023**

दैनिक जीवन में ओजोन-क्षयकारी पदार्थों की कमी करने की आवश्यकता: प्रो. टंकेश्वर कुमार

•ओजोन दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित

महेंद्रगढ़, 17 सितम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के पर्यावरण अध्ययन विभाग ने विश्व ओजोन दिवस 2023 के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया।

इस वर्ष विश्व ओजोन दिवस मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल: ओजोन परत को ठीक करना और जलवायु परिवर्तन से होने वाले नुक्सान को कम करना निर्धारित किया गया था।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने पर्यावरण संरक्षण में व्यक्तिगत योगदान के महत्व पर जोर दिया और दैनिक जीवन में ओजोन-क्षयकारी पदार्थों की कमी करने की आवश्यकता है।

ओजोन दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभागी कुलपति व शिक्षकों के साथ।

उन्होंने एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य के जी-20 मंत्र का उल्लेख किया। विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए पर्यावरण-अनुकूल प्रौद्योगिकी अपनाने पर जोर दिया।

विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए हमारे जीवन में ओजोन की भूमिका से प्रतिभागियों को अवगत कराया और ओजोन परत की कमी को कम करने के लिए जागरूकता बढ़ाने और सामूहिक प्रयास करने की आवश्यकता पर जोर दिया। पर्यावरण अध्ययन विभाग की अध्यक्ष डॉ. मोना शर्मा ने आयोजन की रुपरेखा प्रस्तुत की।

उन्होंने ओजोन परत की सुरक्षा और संरक्षण के लिए रसायनों के उपयोग को कम करने का आह्वान किया और आगे बताया कि कैसे ओजोन परत हमें हानिकारक यूवी विकिरण से बचाती है, जो पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य दोनों को प्रभावित करती है।

डॉ. मोना ने कार्यक्रम की मुख्य वक्ता प्रो. अनुभा कौशिक, हैड सैंटर फॉर सस्टेनेबिलिटी एंड क्लाइमेट चेंज, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली का परिचय प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रो. कौशिक ने ओजोन निर्माण और क्षरण की प्राकृतिक गतिशीलता पर चर्चा की। उन्होंने ओजोन क्षरण को तेज करने वाली मानवीय गतिविधियों पर भी चर्चा की जो ओजोन क्षरण को तेज करते हैं। प्रो. कौशिक ने मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल और ओजोन से संबंधित अन्य अंतर्राष्ट्रीय समझौतों के महत्व पर विस्तार से बताया।